राष्ट्रीय सहारा

कानपुर • बुधवार • 12 जनवरी • 2022

किसानों को नई तकनीक अपनाने को प्रोत्साहित करें कृषि विज्ञान केन्द्र

कानपुर (एसएनबी)। सीएसए कृषि एवं प्रौद्योगिकी विवि के प्रसार निदेशालय के निदेशक-समन्वयक डॉ.एके सिंह ने मंगलवार को कृषि विज्ञान केन्द्र दलीपनगर की समीक्षा की। इस अवसर पर उन्होंने कृषि वैज्ञानिकों को प्रक्षेत्र में अपनी सक्रियता बढ़ाने के साथ ही केन्द्र पर किसानों को आमंत्रित कर नवीनतम कृषि तकनीक से अवगत कराने के कार्य प्राथमिकता के आधार पर करने को कहा। उन्होंने कहा कि किसान इससे प्रेरित होकर नई तकनीक अपनायेंगे व उनको देख कर क्षेत्र के अन्य किसान भी आगे आयेंगे। केन्द्र की बेहतर साफ-सफाई के साथ ही किसानों के लाभार्थ तकनीकी पार्क स्थापित करने के निर्देश भी दिये। उन्होंने वैज्ञानिकों से अपना सर्वोत्तम देने की अपेक्षा की।

वैठक से पूर्व डॉ. सिंह ने केन्द्र की सभी प्रदर्शन इकाइयों का भ्रमण कर उनकी स्थिति की जानकारी ली। आदर्श पोषण वाटिका भी देखी। वाटिका में लगी एक्सोटिक सब्जियों व गोभीगाजर की अंतः फसलीय क्यारियों पर उन्होंने प्रसन्नता जताई। केन्द्र पर उपलब्ध वर्मी कंपोस्ट व बढ़ती हुई मौन (मधुमक्खी) इकाइयों के लिए प्रभारी वैज्ञानिक डॉ.राजेश राय की सराहना की। केन्द्र की कुक्कुट पालन इकाई को भी देखा व प्रभारी वैज्ञानिक डॉ. शशिकांत से मुर्गी पालन के लिए क्षेत्रीय ग्रामीणों को प्रोत्साहित करने पर जोर दिया।

निदेशक प्रसार ने की कृषि विज्ञान केन्द्र के भ्रमण व समीक्षा के बाद दिये दिशा-निर्देश

कृषि विज्ञान केन्द्र के भ्रमण व समीक्षा वैठक के अवसर पर डॉ.अरुण सिंह, गृह वैज्ञानिक डॉ.मिथिलेश वर्मा व डॉ.निम्मिा अवस्थी, पौध रक्षा वैज्ञानिक डॉ.अजय कुमार सिंह, डॉ.राजेश कुमार द्विवेदी, मौसम वैज्ञानिक सुनील पांडेय, सहित अन्य वैज्ञानिक उपस्थित रहे। निदेशक ने केन्द्र में नये आये मृदा वैज्ञानिक डॉ.खलील खान को गौ आधारित प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने की जिम्मेदारी सौंपते हुए कहा कि भूमि की उर्वरा शक्ति बढ़ाने का यही एक मात्र तरीका है।

---

r page.qxd 1/11/2022 8:56 PM Page 1

कानपुर व लखनऊ से एक साथ प्रकाशित वर्ष : 13 अंक : 191 कानपुर, बुधवार 12 जनवरी, 2022 नगर संस्करण पृष्ठ 12 मूल्य : 2.00 रुपये

राष्ट्रीय स्वरूप

www.rashtriyaswaroop.in

दक्षिण अफ्रीका के क्रिस मॉरिस का क्रिकेट के सभी प्रारूपों से संन्यास 10

सीएसए प्रसार निदेशालय ने केन्द्र पर उपलब्ध आदर्श पोषण वाटिका देखी

कानपुर। सीएसए के समन्वयक प्रसार निदेशालय डॉ ए. के.सिंह ने कृषि विज्ञान केंद्र दलीप नगर कानपुर की समीक्षा की। डॉ सिंह ने सर्वप्रथम वैज्ञानिको व कर्मचारियों से उनके संबंधित प्रदर्शन इकाइयों की प्रगति की जानकारी लेने के साथ ही उनको ज्यादा कारगर बनाने के टिप्स देते हुए कहा सकल घरेलू उत्पाद के 18ब के साथ, कृषि हमेशा भारतीय अर्थव्यवस्था का सबसे प्रमुख क्षेत्र रहा है. इसके अतिरिक्त, भारत गेहूं, चावल, दालें, मसालों और कई उत्पादों के दुनिया के सबसे बड़े उत्पादक के रूप में उभरा है, लेकिन, अधिकांश भारतीय किसान अभी भी मूल्यवान जानकारी और आवश्यक संसाधनों की अनुपलब्धता के कारण उन्नत कृषि प्रौद्योगिकियों से नहीं हैं अत: वैज्ञानिक अपना सर्वोत्तम देते हुए प्रक्षेत्र में नई सक्रियता बढ़ाएं। और कृषको को आमंत्रित कर अपनी संबंधित इकाई जरूर दिखाएं। जिससे प्रेरित होकर किसान भी इन तकनीकों को अपनाएंगे तो उनकी सामाजिक आर्थिक विकास तो होगा ही देश भी आगे बढ़ेगा और वे किसान अन्य किसानों के लिए प्रेरणा स्रोत होंगे। समीक्षा उपरांत डॉक्टर सिंह ने केंद्र की सभी प्रदर्शन इकाइयों के भ्रमण कर उनकी स्थिति की जानकारी लेते हुए केंद्र पर उपलब्ध आदर्श पोषण वाटिका देखी। और उसमें लगी एक्सोटिक सब्जियां व गोभी गाजर की अन्त फसलीय क्यारी देख कर अपनी प्रसन्नता व्यक्त करने के साथ ही प्रभारी वैज्ञानिक को बधाई दी। केंद्र पर उपलब्ध वर्मी कम्पोस्ट व बढ़ती हुई मौन इकाइयों को देखकर प्रभारी वैज्ञानिक डॉ राजेश राय को प्रसंशा करते हुए और अच्छा कार्य करने हेतु प्रेरित भी किया। केंद्र की कुक्कुट पालन इकाई का भ्रमण करते हुए प्रभारी वैज्ञानिम डॉ शशि कांत से कहा कि मुर्गी पालन का सबसे बड़ा एक फायदा यह भी है कि इसके लिए आपको अन्य व्यवसाय की तरह काफी ज्यादा राशि की नहीं पड़ती है।

Sign in to edit and save changes to this file.

लोकनायक भारत
सत्यनिष्ठ, उत्कृष्ट
नई दिल्ली संस्करण | बुधवार, 12 जनवरी 2022

सीएसए प्रसार निदेशालय ने केन्द्र पर उपलब्ध आदर्श पोषण देखी वाटिका

लोकनायक भारत न्यूज

कानपुर। सीएसए के समन्वयक प्रसार निदेशालय डॉ ए. के.सिंह ने कृषि विज्ञान केंद्र दलीप नगर कानपुर की समीक्षा की।

डॉ सिंह ने सर्वप्रथम वैज्ञानिको व कर्मचारियों से उनके संबंधित प्रदर्शन इकाइयों की प्रगति की जानकारी लेने के साथ ही उनको ज्यादा कारगर बनाने के टिप्स देते हुए कहा सकल घरेलू उत्पाद के 18% के साथ, कृषि हमेशा भारतीय अर्थव्यवस्था का सबसे प्रमुख क्षेत्र रहा है. इसके अतिरिक्त, भारत गेहूं, चावल, दाले, मसालों और कई उत्पादों के दुनिया के सबसे बड़े उत्पादक के रूप में उभरा है, लेकिन, अधिकांश भारतीय किसान अभी भी मूल्यवान जानकारी और आवश्यक संसाधनों की अनुपलब्धता के कारण उन्नत कृषि प्रौद्योगिकियों से नहीं हैं अतः वैज्ञानिक अपना सर्वोत्तम देते हुए प्रक्षेत्र में नई सक्रियता बढ़ाएं। और कृषको को आमंत्रित कर अपनी संबंधित इकाई जरूर दिखाएं। जिससे प्रेरित होकर किसान भी इन तकनीकों को अपनाएंगे तो उनकी सामाजिक आर्थिक विकास तो होगा ही देश भी आगे बढ़ेगा और वे किसान अन्य किसानों के लिए प्रेरणा स्रोत होंगे। समीक्षा उपरांत डॉक्टर सिंह ने केंद्र की सभी प्रदर्शन इकाइयों के भ्रमण कर उनकी स्थिति की जानकारी लेते हुए केंद्र पर उपलब्ध आदर्श पोषण वाटिका देखी। और उसमें लगी एक्सोटिक सब्जियां व गोभी गाजर की अन्तःफसलीय क्यारी देख कर अपनी प्रसन्नता व्यक्त करने के साथ ही प्रभारी वैज्ञानिक को बधाई दी। केंद्र पर उपलब्ध वर्मी कम्पोस्ट व बढ़ती हुई मौन इकाइयों को देखकर प्रभारी वैज्ञानिक डॉ राजेश राय को प्रसंशा करते हुए और अच्छा कार्य करने हेतु प्रेरित भी किया। केंद्र की कुक्कुट पालन इकाई का भ्रमण करते हुए प्रभारी वैज्ञानिम डॉ शशि कांत से कहा कि मुर्गी पालन का सबसे बड़ा एक फायदा यह भी है कि इसके लिए आपको अन्य व्यवसाय की तरह काफी ज्यादा राशि की नहीं पड़ती है।

देश-विदेश | लखनऊ और देहरादून से प्रकाशित राष्ट्रीय हिंदी दैनिक | उत्तर प्रदेश
जन एक्सप्रेस
लखनऊ | बुधवार | 12 जनवरी, 2022

गेहूं, चावल, मसाले के बड़े उत्पादक के रूप में उभरा भारत

जन एक्सप्रेस/कानपुर नगर। चंद्र शेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय के समन्वयक प्रसार निदेशालय डॉ. ए. के. सिंह ने मंगलवार को कृषि विज्ञान केंद्र दलीप नगर कानपुर की समीक्षा करते हुए वैज्ञानिकों व कर्मचारियों से उनके संबंधित प्रदर्शन इकाइयों की प्रगति की जानकारी ली। उन्होंने कहा कि भारत गेहूं, चावल, दालें, मसालों और कई उत्पादों के दुनिया के सबसे बड़े उत्पादक के रूप में उभरा है लेकिन अधिकांश भारतीय किसान अभी भी मूल्यवान जानकारी और आवश्यक संसाधनों की अनुपलब्धता के कारण उन्नत कृषि प्रौद्योगिकियों से अवगत नहीं हैं इसलिए वैज्ञानिक अपना सर्वोत्तम देते हुए नई सक्रियता बढ़ाएं। समीक्षा के बाद डॉ. सिंह ने केंद्र की सभी प्रदर्शन इकाइयों के भ्रमण कर उनकी स्थिति की जानकारी लेते हुए केंद्र पर उपलब्ध आदर्श पोषण वाटिका को देखा। उन्होंने केंद्र पर उपलब्ध वर्मी कंपोस्ट व बढ़ती हुई मौन इकाइयो कुक्कुट पालन इकाई, केंद्र के बीज उत्पादक प्रक्षेत्र व जैव संवर्धित सब्जियों के बाग का भ्रमण किया। उन्होंने केंद्र पर साफ-सफाई व तकनीकी पार्क शुरू करने के निर्देश दिए। उन्होंने मृदा वैज्ञानिक डॉ. खलील खान को गौ आधारित प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने की जिम्मेदारी देते हुए कहा कि भूमि की उर्वरा को बढ़ाने का यही एक मात्र तरीका है। भ्रमण के दौरान डॉ. एस. एन. सुनील पांडेय मौसम वैज्ञानिक, गृह वैज्ञानिक डॉ. निमिषा अवस्थी व केंद्र के डॉ.राजेश कुमार द्विवेदी के साथ अन्य लोग मौजूद रहे।

वर्ष 16 अंक 12 पृष्ठ-8 मूल्य-1 रू0 कानपुर, बुधवार 12 जनवरी 2022
दैनिक नगर छाया
आप की आवाज़.....
RNI N.UPHIN/2007/27090

निदेशक प्रसार/ समन्वयक ने की कृषि विज्ञान केंद्र की समीक्षा

कानपुर (नगर छाया समाचार)। चंद्र शेखर आज़ाद कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय के समन्वयक प्रसार निदेशालय डॉ ए. के.सिंह ने कृषि विज्ञान केंद्र दलीप नगर कानपुर की समीक्षा की। डॉ सिंह ने सर्वप्रथम वैज्ञानिको व कर्मचारियों से उनके संबंधित प्रदर्शन इकाइयों की प्रगति की जानकारी लेने के साथ ही उनको ज्यादा कारगर बनाने के टिप्स देते हुए कहा सकल घरेलू उत्पाद के 18 प्रतिशत के साथ, कृषि हमेशा भारतीय अर्थव्यवस्था का सबसे प्रमुख क्षेत्र रहा है. इसके अतिरिक्त, भारत गेहूं, चावल, दालें, मसालों और कई उत्पादों के दुनिया के सबसे बड़े उत्पादक के रूप में उभरा है, लेकिन, अधिकांश भारतीय किसान अभी भी मूल्यवान जानकारी और आवश्यक संसाधनों की अनुपलब्धता के कारण उन्नत कृषि प्रौद्योगिकियों से नहीं हैं अतः वैज्ञानिक अपना सर्वोत्तम देते हुए प्रक्षेत्र में नई सक्रियता बढ़ाएं। और कृषको को आमंत्रित कर अपनी संबंधित इकाई जरूर दिखाएं। जिससे प्रेरित होकर किसान भी इन तकनीकों को अपनाएंगे तो उनकी सामाजिक-आर्थिक विकास तो होगा ही देश भी आगे बढ़ेगा और वे किसान अन्य किसानों के लिए प्रेरणा स्रोत होंगे। समीक्षा उपरांत डॉक्टर सिंह ने केंद्र की सभी प्रदर्शन इकाइयों के भ्रमण कर उनकी स्थिति की जानकारी लेते हुए केंद्र पर उपलब्ध आदर्श पोषण वाटिका देखी। और उसमें लगी एक्सोटिक सब्जियां व गोभी गाजर की अन्तःफसलीय क्यारी देख कर अपनी प्रसन्नता व्यक्त करने के साथ ही प्रभारी वैज्ञानिक को बधाई दी। केंद्र पर उपलब्ध वर्मी कम्पोस्ट व बढ़ती हुई मौन इकाइयों को देखकर प्रभारी वैज्ञानिक डॉ राजेश राय को प्रसंशा करते हुए और अच्छा कार्य करने हेतु प्रेरित भी किया। केंद्र की कुक्कुट पालन इकाई का भ्रमण करते हुए प्रभारी वैज्ञानिम डॉ शशि कांत से कहा कि

मुर्गी पालन का सबसे बड़ा एक फायदा यह भी है कि इसके लिए आपको अन्य व्यवसाय की तरह काफी ज्यादा राशि की नहीं पड़ती है. कम राशि की मदद से भी कृषक मुर्गी पालन की शुरुआत कर सकते हैं। अंत में केंद्र के बीज उत्पादन प्रक्षेत्र व जैव संवर्धित सब्जियों के बाग का भृमण कर के कहा कि इनका बेशक आर्थिक, व पोषण मूल्य तो है ही और सबसे महत्वपुर्ण है कि हरा भरा खेत देख कर मन को प्रसन्नता होती है। । इसके लिए डॉ अरुण सिंह व केंद्र के अध्यक्ष बधाई के पात्र हैं। केंद्र में जल्द ही औषधीय वटिका शुरू करने के लिए गृह वैज्ञानिक डॉ मिथिलेश वर्मा की सराहना करते हुए उन्हें औषधीय वटिका की डिज़ाइन का सुझाव भी दिया। केंद्र पर व गांवों में मशरुम उत्पादन के लिए पौध रक्षा वैज्ञानिक डॉ अजय कुमार सिंह की तारीफ करते हुए कहा कि वर्तमान में कवकों का प्रयोग विभिन्न व्याधियों एवं रोगों के उपचार के लिए किया जा रहा है। इसमें फफूंद, जीवाणु एवं विषाणु अवरोधी गुण पाये जाते हैं। इसका निरंतर सेवन करनेसे यह ट्यूमर, मलेरिया, मिर्गी, कैंसर, मधुमेह रक्तस्राव आदि रोगों से लड़ने की क्षमता प्रदान करता है। इस महामारी के दौर में मशरुम की उपयोगिता और अधिक हो जाती है। अंत में वैज्ञानिको को दिशा निर्देश देते हुए समन्वयक ने कहा कि केंद्र की आवागमन पंजिका एकदम सही से मेन्टेन करें।यह आपके कार्य की प्रगति का दर्पण है। इसके साथ ही केंद्र पर साफ सफाई व तकनीकी पार्क शीघ्र शुरू करने हेतु निर्देश दिए। केंद्र पर नवागंतुक मृदा वैज्ञानिक डॉ खलील खान को गौ आधारित प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने की जिम्मेदारी देते हुए डॉसिंह ने कहा कि भूमि की उर्वरा को बढ़ाने का यही एक मात्र तरीका है। भृमण के समय डॉ एस. एन. सुनील पांडेय मौसम वैज्ञनिक, गृह वैज्ञानिक डॉक्टर निमिषा अवस्थी व केंद्र के डॉ राजेश कुमार द्विवेदी के साथ अन्य लोग उपस्थित रहे।

आज
महानगर
कानपुर
12 जनवरी 2022 4

महानगर
कानपुर
12 जनवरी 2022 4

प्रक्षेत्र में सक्रियता बढ़ायें वैज्ञानिक, कृषकों को बतायें नई तकनीकी

मुर्गी पालन को बढ़ावा, जैव संवर्धित सब्जियों के बाग का भ्रमण

कानपुर, 11 जनवरी। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय के समन्वयक प्रसार निदेशालय डॉ ए. के.सिंह ने आज कृषि विज्ञान केंद्र दलीप नगर की समीक्षा की। डॉ सिंह ने सर्वप्रथम वैज्ञानिको व कर्मचारियों से उनके संबंधित प्रदर्शन इकाइयों की प्रगति की जानकारी लेने के साथ ही उनको ज्यादा कारगर बनाने के टिप्स दिये। उन्होंने कहाकि सकल घरेलू उत्पाद के 18 प्रतिशत के साथ, कृषि हमेशा भारतीय अर्थव्यवस्था का सबसे प्रमुख क्षेत्र रहा है. इसके अतिरिक्त भारत का गेहूं, चावल, दालें, मसालों और कई उत्पादों के दुनिया के सबसे बड़े उत्पादक के रूप में उभरा है लेकिन अधिकांश भारतीय किसान अभी भी मूल्यवान जानकारी और आवश्यक संसाधनों की अनुपलब्धता के कारण उन्नत कृषि प्रौद्योगिकियों से नहीं हैं। अतः वैज्ञानिक अपना सर्वोत्तम देते हुए प्रक्षेत्र में नई सक्रियता बढ़ाएं और कृषको को आमंत्रित कर अपनी संबंधित इकाई जरूर दिखाएं। जिससे प्रेरित होकर किसान भी इन तकनीकों को अपनाएंगे तो उनकी सामाजिक-आर्थिक विकास तो होगा ही देश भी आगे बढ़ेगा। ये किसान अन्य किसानों के लिए प्रेरणा स्रोत होंगे। समीक्षा उपरांत डॉ. सिंह ने केंद्र की सभी प्रदर्शन इकाइयों के भ्रमण कर उनकी स्थिति की जानकारी लेते हुए केंद्र पर उपलब्ध आदर्श पोषण वाटिका देखी और उसमें लगी एक्सोटिक सब्जियां व गोभी गाजर की अन्तःफसलीय क्यारी देख कर अपनी प्रसन्नता व्यक्त करने के साथ ही प्रभारी वैज्ञानिक को बधाई दी। केंद्र पर उपलब्ध वर्मी कम्पोस्ट व बढ़ती हुई मौन इकाइयों को देखकर प्रभारी वैज्ञानिक डॉ राजेश राय को प्रसंशा करते हुए और अच्छा कार्य करने हेतु प्रेरित भी किया। केंद्र की कुक्कुट पालन इकाई का भ्रमण करते हुए प्रभारी वैज्ञानिम डॉ शशि कांत से कहा कि मुर्गी पालन का सबसे बड़ा एक फायदा यह भी है कि इसके लिए आपको अन्य व्यवसाय की तरह काफी ज्यादा राशि की नहीं पड़ती है। कम राशि की मदद से भी कृषक मुर्गी पालन की शुरुआत कर सकते हैं। अंत में केंद्र के बीज उत्पादन प्रक्षेत्र व जैव संवर्धित सब्जियों के बाग का भ्रमण कर के कहा कि इनका बेशक आर्थिक व पोषण मूल्य तो है ही और सबसे महत्वपूर्ण है कि हरा भरा खेत देख कर मन को प्रसन्नता होती है। इसके लिए डॉ अरुण सिंह व केंद्र के अध्यक्ष बधाई के पात्र हैं केंद्र में जल्द ही औषधीय वाटिका शुरू करने के लिए गृह वैज्ञानिक डॉ मिथिलेश वर्मा की सराहना करते हुए उन्हें औषधीय वाटिका की डिजाइन का सुझाव भी दिया। केंद्र पर व गांवों में मशरूम उत्पादन के लिए पौध रक्षा वैज्ञानिक डॉ अजय कुमार सिंह की तारीफ करते हुए कहा कि वर्तमान में कवकों का प्रयोग विभिन्न व्याधियों एवं रोगों के उपचार के लिए किया जा रहा है। इसमें फफूंद, जीवाणु एवं विषाणु अवरोधी गुण पाये जाते हैं। इसका निरंतर सेवन करनेसे यह ट्यूमर, मलेरिया, मिर्गी, कैंसर, मधुमेह रक्तस्राव आदि रोगों से लड़ने की क्षमता प्रदान करता है। इस महामारी के दौर में मशरूम की उपयोगिता और अधिक हो जाती है। अंत में वैज्ञानिको को दिशा निर्देश देते हुए समन्वयक ने कहा कि केंद्र की आवागमन पंजिका एकदम सही से मेन्टेन करें। यह आपके कार्य की प्रगति का दर्पण है। इसके साथ ही केंद्र पर साफ सफाई व तकनीकी पार्क शीघ्र शुरू करने हेतु निर्देश दिए। केंद्र पर नवागंतुक मृदा वैज्ञानिक डॉ खलील खान को गौ आधारित प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने की जिम्मेदारी देते हुए डॉसिंह ने कहा कि भूमि की उर्वरा को बढ़ाने का यही एक मात्र तरीका है। भ्रमण के समय डॉ एस. एन. सुनील पांडेय मौसम वैज्ञानिक, गृह वैज्ञानिक डॉक्टर निमिषा अवस्थी व केंद्र के डॉ राजेश कुमार द्विवेदी के साथ अन्य लोग उपस्थित रहे।

अमर उजाला कानपुर 12/01/2022

न्यूज डायरी

केवीके दलीप नगर में बनेगा तकनीकी पार्क

कानपुर। सीएसए के समन्वयक प्रसार निदेशालय डॉ. एके सिंह ने मंगलवार को कृषि विज्ञान केंद्र (केवीके) दलीप नगर (कानपुर देहात) की समीक्षा की। केंद्र में तकनीकी पार्क शुरू करने के निर्देश दिए ताकि कृषि संबंधी शोध किए जा सकें। डॉ. सिंह ने कहा कि वैज्ञानिक प्रक्षेत्र में सक्रियता बढ़ाएं और किसानों को आमंत्रित कर केवीके की इकाइयां दिखाएं। उन्होंने यहां बनी आदर्श पोषण वाटिका की तारीफ की। मृदा वैज्ञानिक डॉ. खलील खान को गौ आधारित प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने की बात कही। इस मौके पर डॉ. एसएन सुनील पांडेय, डॉ. निमिषा अवस्थी, डॉ. राजेश कुमार द्विवेदी आदि मौजूद रहे। (संवाद)